

Vgl. अस्त्राद्य शब्दपुस्तके 12, 3 und अस्त्रेपिन्. — 3) *Anlegung, Auftragung*: गौराचनान्तेपनितात्तगौरि कपोले KUMĀRAS. 7, 17. — 4) *Fortwerfung, Aufgebung, das Fahnenlassen*: अंशुकान्तेपविलसितानाम् — अङ्गनानाम् KUMĀRAS. 1, 14. विषयान्तेपर्यस्तबुद्धे: BHARTR. 3, 29 (पर्यस्त bedeutet hier wohl *umgewandelt, umgestimmt*, was wir hier wegen des u. 2. अस्त्र् mit परि 3. Gesagten erwähnen). — 5) *das Hinausziehen, Aushalten* (eines Lautes): आयामविश्रम्भान्तेपैस्त उच्यते ऽन्तराश्रया: RV. PRĀT. 3, 1. — 6) *Schmähung, Verschmähung, Vorwurf* AK. 1, 1, 5, 13. TRIK. 3, 2, 28. 3, 274. H. 272. an. MED. सान्तेपम् adv. PAÑKĀT. 24, 12. — 7) *Zweifel, Ironie* SUÇR. 2, 339, 5. = काव्यालंकार (०लंकारि) H. an. MED.

अस्त्रेपिक (wie eben) 1) adj. *schmähend, tadelnd* H. an. 4, 3. MED. k. 176. — 2) m. *Convulsion* SUÇR. 1, 234, 2 (s. u. अस्त्रेपि 1.). 16. 357, 19. 2, 32, 6. 42, 16. 95, 10. = व्याधि und अनिलव्याधि (वातव्याधि) H. an. MED.

अस्त्रेपण (wie eben) n. *das Stossen, Anstossen* SUÇR. 1, 300, 5. 9.

अस्त्रेपिन् (wie eben) adj. *betreffend, befassend*: बाह्याभ्यन्तर्विषयान्तेपी चतुर्थः (प्राणायामः) PAT. JOGAÇ. 2, 51.

अस्त्रेपिन् n. nom. abstr. von अस्त्रेपि P. 7, 3, 30. gaṇa ब्राह्मणादि zu 5, 1, 124.

अस्त्रेपि ÇABDAR. im ÇKDR. und अस्त्रेपि BHAR. zu AK. 2, 4, 2, 9 im ÇKDR. = अस्त्रेपि.

अस्त्रेपिद n. *Jagd* AK. 2, 10, 24 (v. l. für अस्त्रेपिद).

अस्त्रेपिन् (part. fut. von अस्त्र् oder अस्त्र्): अस्त्रेपित्यहानि *zum Ziel zu führen geeignete, vollmachende Tage*; so heissen *gewisse Schlusstage in der Feier des Ajana der Âditja und der Aṅgiras*: सर्वे पृथ्वा: षष्ठ्या अन्त्यान्यास्त्यहानि AIR. BR. 4, 17. ÇAT. BR. 12, 2, 2, 1. 3. Nachweisung verschiedener Ansichten der Lehrer über diese Tage s. bei SĀJ. zu AIR. BR. a. a. O.

अस्त्रेपि (von खन् mit अ) m. = अस्त्रेपि P. 3, 3, 125, VArtt. 1. Vop. 26, 175. Spaten WILS.

अस्त्रेपि, f. कैी v. l. im gaṇa गौरादि zu P. 4, 1, 41.

अस्त्रेपि adj. *hart*: अस्मानमाखणम् KHĀND. UP. 4, 2, 7. 8. ÇABDAR.: न शक्यते खनितुं कुदास्त्रादिभिरपि टङ्कश्रेतुं न शक्यो ऽखण एवाखणः.

अस्त्रेपिपितर (von खण्डय् mit अ) nom. ag. *Zerbrecher, Zerstörer* NIR. 3, 10.

अस्त्रेपि (wie eben) 1) adj. dass. RV. 8, 17, 12. NIR. 3, 10. — 2) m. ein Bein. Indra's AK. 1, 1, 4, 40. H. 2. 171. MRĀKḤ. 86, 10. ÇĀK. 187. 108, 16. RAGH. 4, 83. KUMĀRAS. 3, 11. MRGH. 15. Vgl. गोत्रभिद् und ähnliche Beinamen Indra's.

अस्त्रेपिद und अस्त्रेपिदशाला gaṇa क्वाद्यादि zu P. 6, 2, 86.

अस्त्रेपि (von खन् mit अ) m. = अस्त्रेपि P. 3, 3, 125. 1) *Gräber*. — 2) *Spaten* WILS.

अस्त्रेपिक (wie eben) UP. 2, 46. = अस्त्रेपि P. 3, 3, 125, VArtt. 3. Vop. 26, 175. m. 1) *Gräber* WILS. — 2) *Dieb* H. an. 4, 4. MED. k. 176. — 3) *Schwein* UP. TRIK. 2, 5, 5. H. 1288. an. MED. — 4) *Maus* UP. H. an. MED. — 5) *Spaten* WILS.

अस्त्रेपिकवक oder वक (अ० + वक) m. *ein Storch im Verhältniss zu einer Maus*, bildl. von einem Menschen, der sich einem Schwachen

gegenüber als Held gebahrt, gaṇa पात्रेसमितादि zu P. 2, 1, 48 und युक्ता-रोह्यादि zu 6, 2, 81. Nach VArtt. 4 zu P. 3, 3, 125 und nach Vop. 26, 175 von खन् mit suff. इकवक. Nach WILS.: 1) *Gräber*. — 2) *Spaten*.

अस्त्रेपि (von खन् mit अ) P. 3, 3, 125, VArtt. 2 (अस्त्रेपि). Vop. 26, 175. m. *Höhle, Bau eines Thieres*: अस्त्रेपि कृत्वा इषिरा अन्तर्निपुः RV. 10, 94, 5. यथाखरो मध्वंश्चारिष प्रियो मृगाणां सुषदा बभूव AV. 2, 36, 4. Nach WILS.: 1) *Gräber*. — 2) *Spaten*.

अस्त्रेपि (अस्त्रेपि, loc. von अस्त्रेपि, + स्थ) adj. *im Bau sich aufhaltend*: कृत्वा ऽस्याखरेष्ठः VS. 2, 1. P. 6, 3, 20, Sch.

अस्त्रेपि (von खन् mit अ) P. 3, 2, 101, VArtt.

अस्त्रेपि n. schlechte Lesart für अस्त्रेपि RĀJAM. zu AK. 1, 2, 2, 27. ÇKDR.

अस्त्रेपि (von खन् mit अ) m. = अस्त्रेपि P. 3, 3, 125. Nach WILS.: 1) *Gräber*. — 2) *Spaten*.

अस्त्रेपि (wie eben) UP. 1, 33. m. 1) *Maus, Ratze* (AK. 2, 5, 12. H. 1300); *Maulwurf* RV. 9, 67, 30 (s. u. अस्त्रेपि). VS. 3, 57. 24, 26. 28. AV. 6, 50, 1. TS. 5, 5, 14, 1. ÇAT. BR. 2, 1, 4, 7. 6, 2, 10. M. 4, 126. 11, 159. 12, 62. MBH. 1, 1816. PAÑKĀT. I, 175. 426. II, 1. KATHĀS. 24, 132. — 2) N. eines Grases, *Lipocercis serrata Trin.*, RATNAM. im ÇKDR. KAUC. 25. — Nach H. an. 4, 4 bedeutet das Wort noch 3) *Dieb* und 4) *Schwein*; nach WILS. noch 5) *Gräber* und 6) *Spaten*.

अस्त्रेपि (अस्त्रेपि + क०) n. *Maulwurfshaufen* ÇAT. BR. 2, 1, 4, 7.

अस्त्रेपि (von अस्त्रेपि *Maus* + कर्पा *Ohr*) N. einer Pflanze, *Salvinia cucullata Roxb.*, RĀJAN. im ÇKDR.

अस्त्रेपि (अस्त्रेपि + ग) m. (*auf einer Maus reitend*) ein Bein. Gaṇeça's H. 207. — Vgl. अस्त्रेपि.

अस्त्रेपिका und अस्त्रेपिका (von अस्त्रेपि *Maus* + पर्णा *Blatt*) f. N. einer Pflanze (vulg. इन्द्रकापी) RATNAM. im ÇKDR. इन्द्रकानीपाणा ist nach VOIGT die *Salvinia cucullata Roxb.* Vgl. अस्त्रेपिका.

अस्त्रेपिका (अस्त्रेपि + पा०) m. *Magnet* RĀJAN. im ÇKDR.

अस्त्रेपि (अ० + मुन्) m. (*Mäuse fressend*) *Katze* AK. 2, 5, 6.

अस्त्रेपि (अ० + र०) m. ein Bein. Gaṇeça's HALĀJ. im ÇKDR. — Vgl. अस्त्रेपि.

अस्त्रेपि s. अस्त्रेपि.

अस्त्रेपिका (अ० - विष *Gift* + क्वा von क्न्) f. N. einer Pflanze, = अस्त्रेपि 2. ÇATĀDH. = देवदालीलता (vulg. घघ्रवेला) RĀJAN. im ÇKDR.

अस्त्रेपिका (अ० + उत्कर) m. *Maulwurfshaufen* ÇAT. BR. 2, 6, 2, 10. 4, 5, 2, 15. KĀTJ. ÇR. 4, 8, 16. 5, 10, 13. 25, 10, 14.

अस्त्रेपि (अ० + उत्त्य) m. = अस्त्रेपि *das Hervorkommen oder Erscheinen von Ratten oder Maulwürfen* P. 3, 2, 4, VArtt., Sch.

अस्त्रेपि m. *Jagd* AK. 2, 10, 24. H. 927. सुभगाखेटुमिल्ल KATHĀS. 15, 120.

अस्त्रेपि: 124. — Wird vom unbelegtem खिट् abgeleitet.

अस्त्रेपि m. 1) dass. ÇABDAR. im ÇKDR. PAÑKĀT. I, 145. 60. 9. कृष्णा-खेटके धाम्यन् KATHĀS. 9, 74. राजन्याखेटके गते 16, 6. 5. VET. in LA. 6, 2. — 2) *Jäger* PAÑKĀT. I, 432.

अस्त्रेपिका (von अ० + शीर्षन्) n. *eine bes. Art Mine* (कुट्टिमभेद) ÇABDAR. im ÇKDR.

अस्त्रेपिका (von अस्त्रेपि) m. *Jagdhund* ÇKDR., angeblich nach HĀR.; vgl. indessen अस्त्रेपिका. Nach WILS. auch *Jäger*.